आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–05 जुलाई 2024 सान्ध्य समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बस्ती में अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये की सभी परियोजनाएं और कार्य समय पर पूरे किय जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बारिश के मद्देनजर जल भराव और नदियों के जलस्तर की निगरानी की जाए। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनता को किसी तरह की दिक्कत न हो। बंधों की सतत निगरानी की जाए और जहां भी बंधे कमजोर दिखे तत्तकाल उसकी मरम्मत कराई जाए। समीक्षा बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने वन महोत्सव दो हजार चौबीस के तहत मण्डलायुक्त कार्यालय परिसर में पारिजात का पौधा भी लगाया। वहीं दोपहर बाद गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री ने हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल में सत्रह करोड़ रूपये की लागत वाली कैंसर की अत्याधुनिक सेकाई मशीन का भी लोकार्पण किया।

****

हाथरस हादसे की जांच कर रही एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। एडीजी आगरा और अलीगढ़ कमिश्नर के नेतृत्व में चल रही जांच में डीएम–एसएसपी सहित सौ लोगों के बयान दर्ज हुए है। दो जुलाई की दोपहर हुए इस हादसे के बाद ही मुख्यमंत्री स्तर से एसआईटी जांच का आदेश जारी किया गया था। एडीजी आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ व कमिश्नर चैत्रा वी को एसआईटी का जिम्मा देते हुए 24 घंटे में रिपोर्ट तलब की गई थी।

एसआईटी का गठन हादसे के मूल कारण और लापरवाही व अनदेखियों को उजागर करना है। हालांकि यह रिपोर्ट बुधवार को ही देनी थी, लेकिन राहत व बचाव कार्य जारी रहने और मुख्यमंत्री के आने के कारण समय पर जांच पूरी नहीं हो सकी थी। अधिकारियों ने तीन दिन का समय मांगा था। इस रिपोर्ट में घटनास्थल पर तैनात एक–एक पुलिस व अन्य सभी विभागों के कर्मचारी–अधिकारी, प्रारंभिक सूचना वाले कर्मी, एंबुलेंस कर्मी, डॉक्टर, पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर, किसान, चश्मदीद, घायल, तहसील व जिला स्तर के अधिकारी, डीएम–एसपी आदि तमाम लोगों के बयान शामिल हैं। उधर हादसे की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यी न्यायिक आयोग भी जांच के लिए जल्द ही हाथरस जाएगा।

****

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज हाथरस पहुंच कर हादसे के पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें ढाढ़स बधाया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह मुश्किल का समय है और सभी पीड़ित परिवार बहुत गरीब हैं सभी को ज्यादा से ज्यादा मुआवजे की जरूरत है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे पीड़ित परिवारों की पूरी मदद करें और उन्हें अधिक से अधिक मुआवजा उपलब्ध कराएं। राहुल गांधी ने कहा कि हादसे में कही न कहीं प्रशासन की कमी जरूर रही है। कार्यक्रम में जितना पुलिस बल चाहिए था, वह मौजूद नही था।

****

नीति आयोग की ओर से तीन महीने तक चलने वाले सम्पूर्णता अभियान के क्रम में देवरिया के विकास खण्ड गौरी बाजार, पीलीभीत के पूरनपुर, बाराबंकी के विकास खण्ड निंदूरा और महोबा के विकास खण्ड कबरई सहित कई आकांक्षी जिलों व विकास खण्डों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इस अभियान में उत्तर प्रदेश में आठ जिलों और अड़सठ विकास खंडों को शामिल किया गया है। यह अभियान तीस सितंबर दो हजार चौबीस तक चलेगा। इसके तहत छह प्रमुख संकेतकों पर आधारित मानकों को हासिल करने के लिए आकांक्षी जिलों और प्रखंडों में काम किए जाएंगे।

सम्पूर्णता अभियान जिन प्रमुख संकेतकों पर ध्यान देगा, उनमें देखभाल के लिये पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, मधुमेह से पीड़ित लोगों का प्रतिशत, हाइपरटेंशन से पीड़ित व्यक्तियों का प्रतिशत, ऐसी गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, जिन्हें अतिरिक्त पोषण प्रदान किया जा रहा है तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जाने और ऐसे स्वयं सहायता समूहों का प्रतिशत शामिल है जिन्हें प्रखंड स्तर पर राशि दी गई है।

****

पूर्वी उत्तर प्रदेश समेत प्रदेश के कई जिलों में सुबह से ही बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले कुछ दिनों तक बारिश ऐसे ही होती रहेगी। विभाग ने अगले दो दिनों के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में वज्रपात के साथ भारी बारिश की आशंका है। मौसम विभाग ने गोरखपुर, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, महराजगंज, कुशीनगर, बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर में भारी बारिश का अनुमान जताया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश और वज्रपात के अलर्ट को देखते हुए कुछ जिलों में विद्यालय कल तक के लिये बन्द कर दिये गये हैं।

****